भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्याः 2119
उत्तर देने की तारीखः 08.03.2021

स्वदेशी गौ-विज्ञान

†2119.श्री मन्ने श्रीनिवास रेड्डीः
श्री कोथा प्रभाकर रेड्डीः
श्री कोमती रेड्डी वेंकट रेड्डीः

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी कुलपतियों से उनके विश्वविद्यालयों और संबद्ध कॉलेजों के छात्रों को केंद्र सरकार की 'स्वदेशी गौ-विज्ञान' परीक्षा देने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कहा है और इस परीक्षा की अध्ययन सामग्री में यह दावा किया गया है कि भारत और रूस के परमाणु केंद्रों के विकिरण से बचने के लिए गाय के गोबर का उपयोग किया जाता है और इसने भोपाल के निवासियों को गैस रिसाव के प्रभाव से भी बचाया है तथा यह भी दावा है कि गोवध और भूकंप के बीच परस्पर संबंध है और यह माना गया है की जर्सी गाय सुस्त होती है और खराब गुणवत्ता का दूध देती है जबकि स्वदेशी गाय का दूध पीला होता है क्योंकि इसमें स्वर्ण की मात्रा होती है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
शिक्षा मंत्री
(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) और (ख): विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सूचित किया है कि उन्होंने राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के अध्यक्ष से प्राप्त पत्र के आधार पर विभिन्न विश्वविद्यालयों को दिनांक 12.02.2021 के अ.शा. पत्र के माध्यम से संबद्ध कॉलेजों के संज्ञान में लाने के लिए व्यापक प्रचार करने और छात्रों को 25.02.2021 को अखिल भारतीय ऑन-लाइन "कामधेनु गौ विज्ञान प्रचार-प्रसार परीक्षा" के लिए नामांकन/पंजीकरण करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु लिखा है।

वर्तमान में, वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उक्त परीक्षा स्थगित कर दी गई है।

******